नेहरू बाल पुस्तकालय

बूढ़ा घड़ियाल

पुष्पा सिंह 'विसेन'

चित्र
नीता गंगोपाध्याय

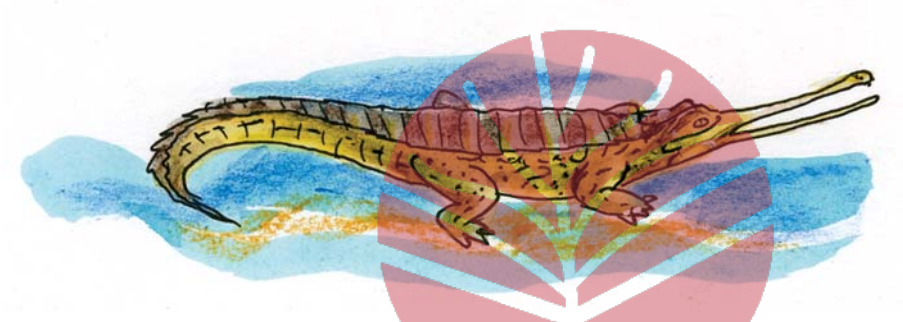

nbt.india
एकः सूते सकलम्

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

nbt.india
एक: सूते सकलम्

बच्चो, जानते हो, एक बार समुद्र में सभी छोटी मछलियाँ परेशान हो गईं। कारण था कि उनके बच्चे प्रतिदिन बड़ी संख्या में गायब होने लगे थे। किंतु कुछ पता नहीं चल पा रहा था कि ये बच्चे कहाँ चले जा रहे हैं, कैसे गायब हो रहे हैं।

सभी मछलियाँ अपने निवास क्षेत्र से बाहर जा-जाकर उन्हें तलाश रही थीं कि उन्हें रास्ते में ऑक्टोपस मिले। वे भी अपने छोटे-छोटे बच्चों को ढूँढ़ रहे थे। दोनों का दुःख एक समान था।

वे सभी मिल-जुलकर बच्चों की तलाश में लग गए। आगे उन्हें सील, वालरस भी मिले। सभी का यही रोना था कि हमारे बच्चे गायब होते जा रहे हैं। यह बहुत ही चिंता का विषय था। उस समय समुद्र देवता की कृपा से जलपरी महारानी बनी थी। उनके राज्य में सभी सुखी थे। कभी कोई ऐसी चिंताजनक घटना नहीं हुई थी।

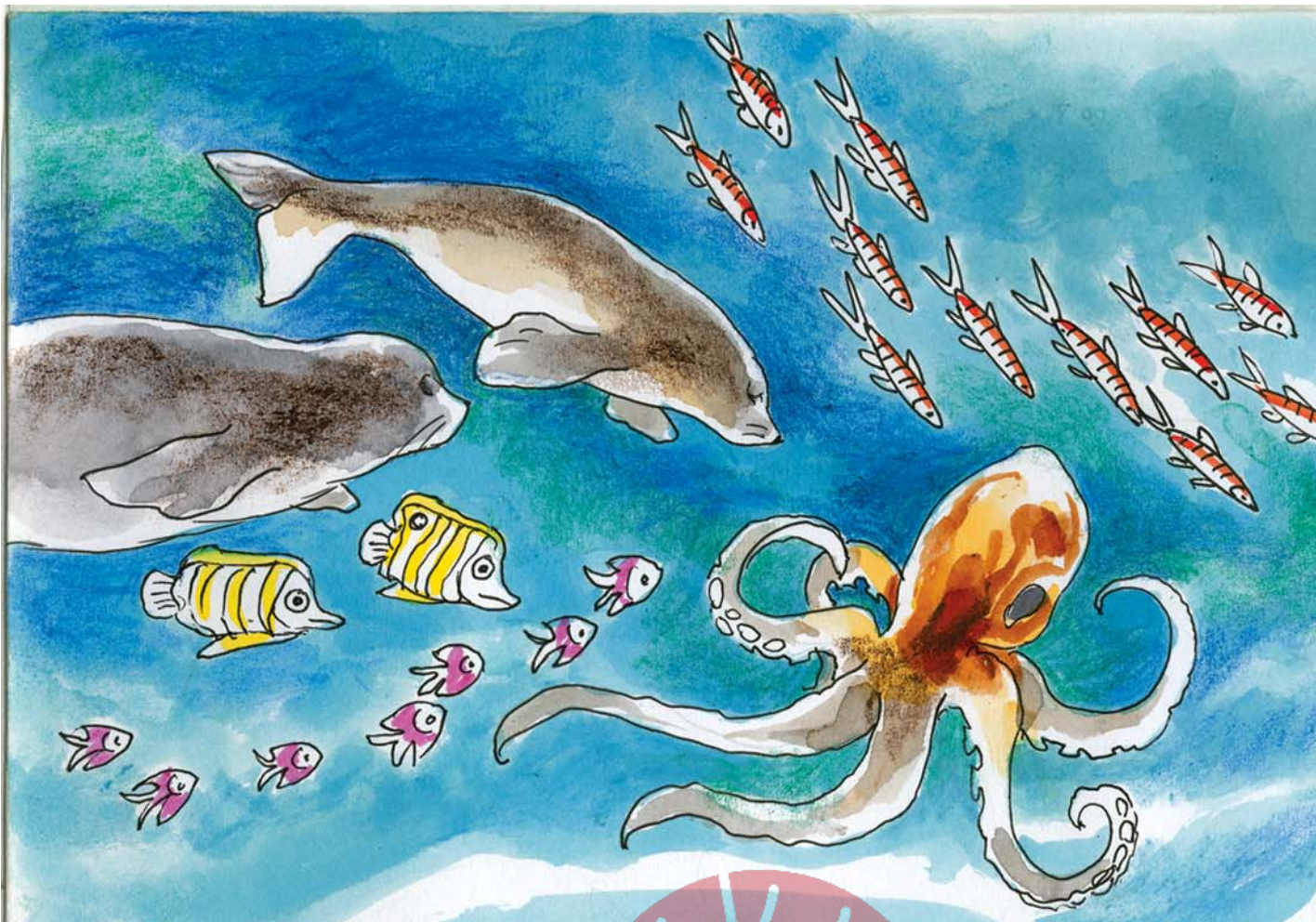

सभी ने थक-हारकर यह योजना बनाई कि बच्चों के गायब होने की बात महारानी जलपरी को बताई जाए। शायद वही हमें इस समस्या से उबार सकेंगीं। क्योंकि उनके पास बड़े-बड़े समुद्री जानवरों की विशाल सेना है जो सारा समुद्र छान मार सकती है और बच्चों के गुम होने का रहस्य पता लगा सकती है। यह कार्य तभी संभव है जब हम महारानी जलपरी को बताएँगे।

बड़ी मछली ह्वेल व सील, वालरस एवं ऑक्टोपस आदि सभी एक जगह उपस्थित हुए और महारानी जलपरी के महल की ओर चल पड़े। समुद्र की तीव्र लहरों में डूबते-उतराते उन्हें भय नहीं लग रहा था। सभी को अपने बच्चों की तलाश थी।

nbt.india
एक: सूते सकलम्

nbt.india
एक सूते सकलम्

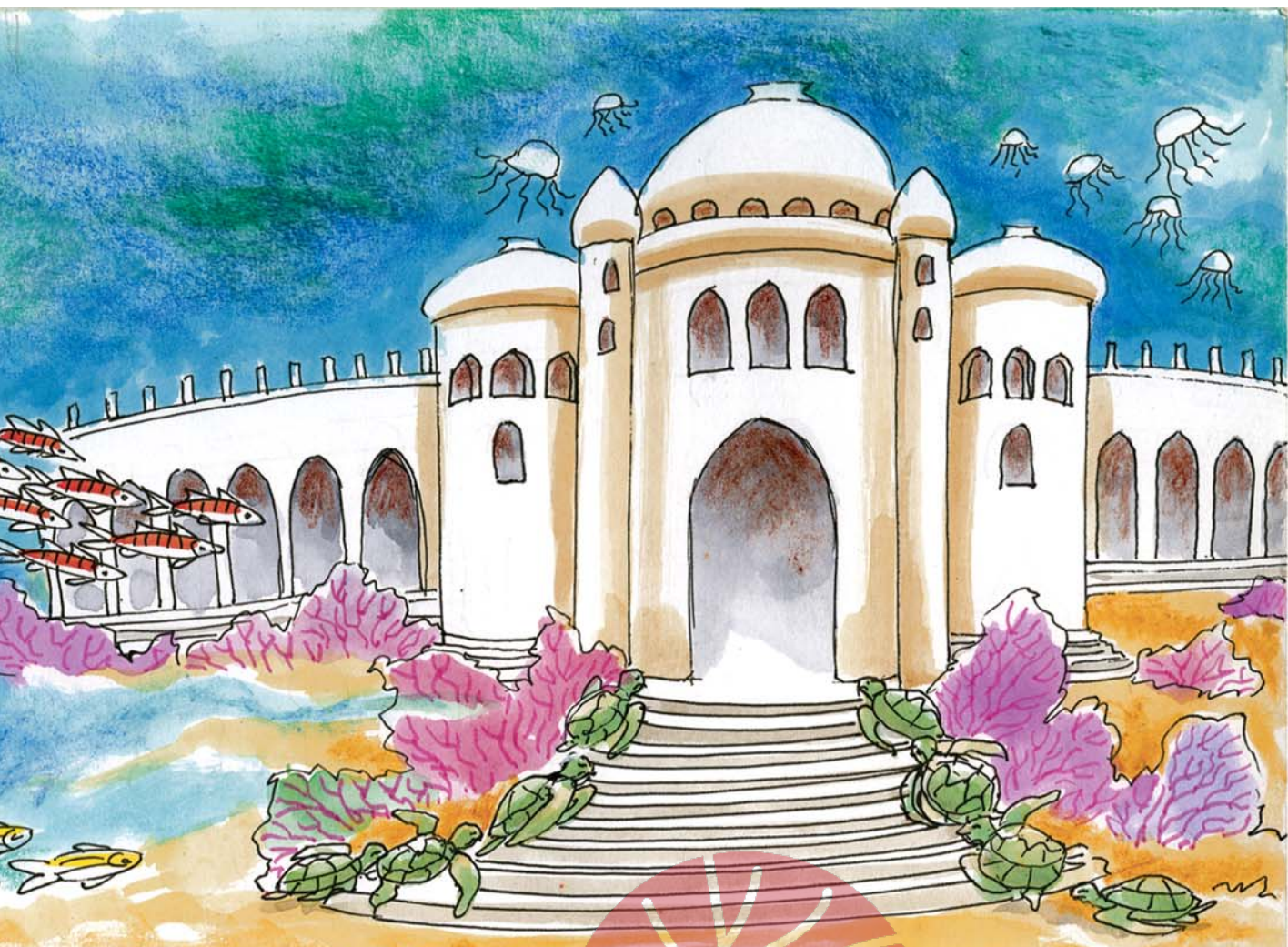

तीन दिन के सफर के बाद गहरे भू-तल में जलपरी महारानी का सुंदर महल दिखा। कितने जलीय जीव-जंतुओं ने तो यह महल पहली बार ही देखा था। क्योंकि महारानी जलपरी स्वयं ही विचरण कर अपनी प्रजा का हाल जानती रहती थीं। बड़े-बड़े दरियाई कछुवे वहाँ द्वारपाल के रूप में मुख्य द्वार पर दिखे।

भीड़ को एक साथ आते देख तुरंत जलपरी के पास सूचना भेज दी गई। उस समय वह समुद्र देवता के साथ विश्राम कर रही थीं। किंतु सूचना अति गंभीर थी। अनेक जलीय जीव-जंतुओं का इस तरह महल की ओर आना चिंताजनक विषय था।

'आखिर बात क्या है', वह स्वयं ही मुख्य द्वार की ओर चल पड़ीं। महारानी के जाने के बाद समुद्रदेव भी उनका अनुसरण कर चल पड़े।

महारानी के द्वार पर आते ही सभी ने शीश झुकाकर उनका अभिनंदन किया। फिर उन्हें अपनी समस्या सुनाई कि हमारे बच्चे गायब होते जा रहे हैं। हमने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर भी ढूँढ़ लिया, पर वे कहीं नहीं मिले। उनकी बातें सुनकर महारानी चिंतित-सी समुद्रदेव की ओर देखने लगीं। उन्होंने उनकी स्थिति भाँपकर आए हुए सभी जीव-जंतुओं को आश्वासन दिया कि हम शीघ्र ही कार्यवाही कर सच्चाई का पता लगाएँगे।

nbt.india

nbt.india
एकः सूते सकलम्

समुद्री सेना का सेनापति वरिष्ठ दरियाई घोड़ा था। उसने आदेश मिलते ही चारों तरफ अपने सैनिक दौड़ा दिए। पर कहीं कुछ पता नहीं चला। सेनापति चिंतित थे। एक दिन का समय बचा था। अभी घड़ियालों का अधिकार क्षेत्र बाकी था। उधर, महल में रानी सोचने लगी कि कोई घड़ियाल अपने बच्चे के गुम होने की सूचना लेकर नहीं आया है। अतः उन्होंने तुरंत सेनापति को दरबार में बुलाकर आदेश दिया कि घड़ियालों के क्षेत्र की तलाशी ली जाए।

उस क्षेत्र में जाने से दरियाई घोड़ों की फौज डरती थी, किंतु जाना तो था ही। बच्चों की गुमशुदी का गंभीर मामला था। सो, सेनापति भी साथ-साथ चल पड़े।

nbt.india
एकः सूते सकलम्

उधर, सभी मगरमच्छ आराम से रह रहे थे। मोटे-तगड़े हो मौज कर रहे थे। अचानक जलीय सेना की फौज देख वे चौकन्ने हुए, पर घबराए नहीं।

पूरे क्षेत्र की तलाशी में कुछ भी नहीं प्राप्त हुआ। एक बूढ़ा घड़ियाल पूछ बैठा कि आखिर बात क्या है। सेनापति ने उसे सारी बातें बता दी कि किस तरह जलीय जानवरों के बच्चे यहाँ गायब हो रहे हैं। सभी महारानी जलपरी के पास गए, तब हमें आदेश मिला कि हम पता लगाएँ कि सबके बच्चे कहाँ गए। बूढ़ा घड़ियाल दयालु था। उसे तो प्रतिदित दूसरे घड़ियाल भोजन देते थे किंतु यह कहते थे कि हमारी महारानी जलपरी के प्रबंध से भोजन मिल रहा है। वह भी दूसरों के गायब हुए बच्चों को अपना भोजन बना चुका था। किंतु वह सच्चाई जान चुका था। तलाशी के बाद सभी सैनिक चलने लगे। वे निराश भी थे।

nbt.india

ncert.india
एकः सूते सकलम्

अपने पीछे-पीछे बूढ़े घड़ियाल को आते देख सेनापति पूछ बैठे कि आप क्यों परेशान हो रहे हैं, आप आराम करिए। बूढ़ा घड़ियाल बोल पड़ा, "बेटा, मेरे पाँव तो कब्र में लटके पड़े हैं। कब बुलावा आ जाए। सोच रहा हूँ कि तुम्हारे नेक कार्य में मैं तुम्हारी मदद कर दूँ, तभी मेरा पाप भी माफ होगा।"

सेनापति कुछ समझता, उससे पहले ही वह बूढ़ा घड़ियाल बोल पड़ा, "सभी के बच्चे घड़ियालों ने ही गायब किए हैं और उनको अपना भोजन बनाया है।" सेनापति उसे आश्चर्य से देख रहा था। उसे विश्वास नहीं हो रहा था। पर घड़ियाल की उम्र झूठ बोलने की नहीं थी। उसने समुद्र के किनारे का वह स्थान भी बता दिया जहाँ घड़ियाल बच्चों की हड्डियाँ बालू में दबा देते थे। सारी सेना उस ओर चल पड़ी। बूढ़े घड़ियाल की बात सच निकली। सभी सैनिकों को महारानी ने शाबासी दी। सेनापति को पुरस्कार मिला।

nbt.india
एक सूत्र संकलन

और सभी दोषी घड़ियालों को सजा मिली कि वे जलीय जीव होते हुए भी जल से बाहर रहेंगे।

तभी से मगरमच्छ रेत पर सजा काटते हुए दिखाई देते हैं।

nbt.india

nbt.india
एकः सूते सकलम्

ISBN 978-81-237-6795-6

पहला संस्करण : 2013
पांचवीं आवृत्ति : 2019 *(शक 1941)*
मूल © पुष्पा सिंह 'विसेन'
Budha Ghadiyal (*Hindi Original*)

₹ 35.00

निदेशक, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110 070 द्वारा प्रकाशित

Website: www.nbtindia.gov.in

nbt.india
एकः सूते सकलम्

गोपसंस पेपर्स लिमिटेड, नोयडा द्वारा मुद्रित